तड़प | by Bikash Pareek

तेरे दर आने को ये दिल मेरा तड़पता है
कैसे दिल को प्रभु संभाले ये मचलता है
लाख समझाने पे ये दिल नहीं समझता है
कैसे दिल को प्रभु संभाले ये मचलता है

तेरी गलियों में फिर से आना है
फिर वही महफिले सजाना है
प्रेमियों को वो जहाँ प्यार मिला
जब भी चाहा तेरा दीदार मिला
जब भी चाहा तेरा दीदार मिला
उसी दर पे मेरा ये दिल प्रभु बहलता है
कैसे दिल को प्रभु संभाले ये मचलता है

तेरे प्रेमी तेरे दीवाने हैं
अपना समझो नहीं बेगाने हैं
हर घडी तेरे साथ रहना है
दिल में जो कुछ है तुमसे कहना है
दिल में जो कुछ है तुमसे कहना है
क्या ये सुनके भी तेरा दिल नहीं पिघलता है
कैसे दिल को प्रभु संभाले ये मचलता है

ख्वाब आँखों में फिर सजाये हैं
आस मिलने की दिल में लाये हैं
ये तड़प अब सही ना जाएगी
फिर से मिलने की घडी आएगी
फिर से मिलने की घडी आएगी
अब यही सोचके विकास भी संभलता है
कैसे दिल को प्रभु संभाले ये मचलता है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%aa-by-bikash-pareek/